**ढेलु पंचायत, विकास खण्ड़ चौंतड़ा, जोगिन्द्रनगर मण्ड़ी में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत किसान मेला आयोजित**

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र पालमपुर द्वारा ढेलु पंचायत, विकास खण्ड़ चौंतड़ा, जोगिन्द्रनगर मण्ड़ी में अनुसूचित जाति उप-योजना 2023-24 के अंतर्गत किसान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 375 किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया।

डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों/पशुपालकों को संस्थान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा प्रदेश के अलग-अलग जिलों में किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ करने हेतु किसान मेलों का आयोजन किया जाता है। भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान एकमात्र ऐसा संस्थान है, जिसमें पशु रोगजांच हेतु सभी तरह की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। पशुओं हेतु अधिकतर वैक्सीन भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गई है। हाल ही में पशुओं में लम्पी चर्म रोग हेतु वैक्सीन भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त उपयोजनाओं का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के अति निर्धन परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ करना है। उन्होंने किसानों से कहा कि वह पशुपालन से सम्बन्धित जानकारी एवं किसी भी समस्या के समाधान के लिए भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर से संपर्क कर सकते हैं। किसान मेले में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 40 से अधिक पशुपालक अपने पशुओं को लेकर आए। अस्वस्थ पशुओं की मौके पर डा. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डा. देवी गोपीनाथ, वैज्ञानिक, डा. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक, डा. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक एवं पशुपालन विभाग से डा. वरुण राणा द्वारा चिकित्सा प्रदान की गई और मुफ्त दवाईयाँ आवंटित की गई।

इस दौरान पशुदुग्ध उत्पादन/स्वास्थय सम्बन्धित प्रतिस्पर्धा की गई। गाय दुग्ध उप्तादन एवं बकरी/भेड़ पालन दो वर्गों में प्रतियोगिता की गई। गाय दुग्ध उत्पादन वर्ग में श्रीमती सत्या देवी एवं श्री पवन कुमार ने प्रथम पुरस्कार, श्री कर्म चन्द को द्वितीय एवं श्री हरनाम सिंह को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। बकरी/भेड़ पालन वर्ग प्रतियोगिता में दो विजेता निर्धारित किये गये जिनमें प्रथम स्थान श्री विनोद कुमार एवं द्वितीय स्थान श्री पूर्ण चन्द को प्राप्त हुआ। विजेताओं को अतिरिक्त फीड एवं खनिज मिश्रण आवंटित किये गये। 24 चयनित अतिनिर्धन परिवारों को चैफ कटर भी आवंटित किये गये। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भारतीय पशुचिकत्सा अुनसंधान संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों का अलग-अलग पोस्टरों के माध्यम से प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया।

कार्यक्रम के दौरान डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रभारी द्वारा अति निर्धन परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आवाहन किया। उन्होंने लाभार्थियों को सुझाव दिया कि सरकार द्वारा चालित उपरोक्त उपयोजना का भरपूर लाभ उठावें, ताकि क्षेत्र की उन्नति हो सके।

किसान मेले में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा पशु आहार एवं आवंटित पशुओं के लिए आवश्यक दवांईयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। किसान गोष्ठी के दौरान किसानों/पशुपालकों की समस्याओं का मौके पर समाधान के साथ आवश्यक सुझाव/दिशानिर्देश दिये गए। कार्यक्रम संचालन डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।